

ਸਾਨ-੩ ਏਸੀਸੀ

ਆਦਿ-ਦੁਰਾਜ-੪ ਮਸੀਹ
ਮਸੀ-੧੧ ਮਸੀਹਿ ਮਸੀਹਿ ਕੀ ਧਾਈ
ਮਸੀਹ-੧੧ ਮਸੀਹਿ ਮਸੀਹਿ ਕੀ ਧਾਈ

2618
BRITISH MUSEUM

[illegible]

[illegible]

म न प्रलिख क सम श्रियं ॥ **आव मन ॥ अं जिं खा हा ॥ ३ ॥ ला हा न सि य ॥ अं**
काय विष्म धनं खा हा ॥ ॥ प्र जा ह न स ल य न हा र्यं ज य ॥ ॥ अं सर्व विद्या न
क्रा द यं ॥ अं न मा ह ग व न द य कं उ न जा यः न थ ग ना या ह नं स म्म स्त व
क्ष य ॥ न द थ ॥ अं प्र थ र म हा य यः स य यः य य ह वः य य स ह वः य य
व किं क्ख खा हा ॥ ॥ खाः क यः क पाः न गः श्रियं क आ स म या य ॥ अं आ इ ॥
३ ॥ नि व व जा स नं ॥ खाः अं अः ख अः वा हा नि न ॥ अं सर्व वा पा न यं ॥ २ ॥ न क्क
खा नं क्क य ॥ अं म नि ध नि व जि निः म हा पु नि स नः म म न क्क र मां सर्व स खा ना र्क

ॐ र ह ह र स्वाहा ॥ ॥ व न म न्त स च्छा स न्ध मं नि र ॥ ॐ व ज नि स क ल ष न
स्वाहा ॥ ॥ ॐ व ज द क र्क स्वाहा ॥ ॐ व ज र म म च र्क स्वाहा ॥ ॐ व ज ल ष स न
ष र्क ॥ ॥ क र्क ल ष क र्क मं न्त ल स ह र य के वा क ॥ दान र म म यः न म न्त
स हि नः मी ल व स म र्ज नः क्री ति कु र्क पि पी त्रि का न प न यः वि यं डी या र्क
य नः च्छा न न क र्क म क वि रु क र्क नः च्छा स न षा क र्क नाः च्छा य न नि नाः च्छा
ॐ व न ल व क र्क ल म नि मं न्त लः ए वं नु क र्क व र्कः स र्व ना ल म वि म र्कः मृ न
म न्त ज वि सि ष्टः मृ न्त व दि पि का नि ध न क न क र्क दिः जी य न ना ज व र्कः

[illegible]

[illegible]

किलं व काया उ मं नु लु स हा य क ॥ उं च तु न लं म रं म नू म लु दि पा प उ म हि
नं ना ना न लं स मा कि नु दे ख नू न दा य निः उ नू ल्वा वृ ब ध म ल्वा स द्य लं म न
थ व र मि थ्या न या मि लो व न स प नू न ल म नु ल ॥ म नु ल ना न ॥ ॥ जा मि
का या उ हा जी न यं वा न ॥ उं आ ४ इ थि म द ज स ल ॥ उ नू व न र न न क म ला यः
स म क ल्ना नाः व ल व स न क ना य न म ४ इ न म लु तु न भा न म ४ ह क्ता रु लान म
ह्या मि थ्या उ नू ना थ पु सि ध य ॥ ॥ य स्य य सा द कि न न उ स लि नां ल न ल
न ल प्र ल प नि क न ४ य रु ना श्व का ना ४ प ह्य नि ना वि न दृ र्ण ४ स वि ना स म रं न

[illegible]

निकाद्वहृदयं जगतादिनायादसनां सर्वयापानां चानां चानां भादना
कृपया सर्वानि ध्यामिः शशिशुभं गच्छ पावतः मया वा न न नृद नः यत्किं
त्यापमाचि नैः उ कृती यश्च सावर्षी पुंस्तु कृया वं द्युमवच ॥ न दत्ययं दत्त
शामवः नाथनाम ग नस्मि नैः ॥ कृता ज नि दृष्टं ख हि नैः प नि प ह्य पुन ४ पु
न ४ अ न य म त्वयं न न पति गृह्णतु नाय काशान हृद क मि दं नाथः न क क
व्य पुन मया ॥ यथा न न थ ग नाया ह नैः स म्य कं वृद्ध ला न नः दुध वृद्धा
जाना निः प स्य नि न कृ ग ल मूलैः य जा नि कः य नि ह्य मः य न ख हा व य या

[illegible]

त्रिंशत् ॥ अं ॥ अं ॥ रं ॥ कं ॥ लां ॥ मां ॥ पां ॥ वं ॥ कां ॥ त्र ॥ जा ॥ नः ॥ यं ॥ स्त्र ॥ म् ॥ न ॥ पं ॥ र ॥ पु ॥ दि ॥ र्प ॥ प ॥ स्य ॥ त ॥ ॥ अं ॥
आ ॥ उ ॥ कं ॥ व ॥ ल्या ॥ धि ॥ ल्ब ॥ न ॥ ॥ अं ॥ ॐ ॥ इ ॥ दि ॥ लो ॥ क ॥ पा ॥ त्रे ॥ त्या ॥ पा ॥ द्या ॥ धं ॥ व ॥ म ॥ नं ॥ पु ॥ ति ॥ रु ॥ स्त्रा
हा ॥ ॥ ल ॥ य ॥ न ॥ य ॥ ॥ अं ॥ इ ॥ व ॥ द ॥ हा ॥ ॥ लो ॥ क ॥ पा ॥ त्रे ॥ म् ॥ डा ॥ के ॥ न ॥ ॥ व ॥ नि ॥ त ॥ स्त्री ॥ वा ॥ य ॥ ॥ अं ॥ ॐ ॥
इ ॥ य ॥ स्त्रा ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ य ॥ मा ॥ य ॥ स्त्रा ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ व ॥ न ॥ ना ॥ य ॥ स्त्रा ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ क ॥ व ॥ ना ॥ य ॥ स्त्रा ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ अ
य ॥ य ॥ स्त्रा ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ न ॥ म ॥ न्य ॥ स्त्रा ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ वा ॥ र ॥ य ॥ स्त्रा ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ ॐ ॥ ता ॥ ना ॥ य ॥ स्त्रा ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ उ
ध ॥ म ॥ ल ॥ स्त्रा ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ अ ॥ द ॥ द ॥ थ ॥ ल ॥ स्त्रा ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ ल ॥ य ॥ ग ॥ हा ॥ धि ॥ व ॥ न ॥ स्त्रा ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ व
ड ॥ न ॥ क ॥ ता ॥ धि ॥ नि ॥ य ॥ स्त्रा ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ ना ॥ ट ॥ ल ॥ स्त्रा ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ अ ॥ ल ॥ न ॥ ल ॥ स्त्रा ॥ हा ॥ ॥ अं ॥ अ ॥ क ॥ ल ॥ स्त्रा

ह्रीं॥ अं॥ तु॥ व॥ दं॥ मा॥ दि॥ ग॥ लो॥ क॥ या॥ न॥ ह॥ स्वा॥ हा॥ ॥ **ये॥ क॥ पु॥ हा॥ न॥ द॥ जा॥** ॥ ॥ **स्वा॥ हा॥** ॥
अं॥ व॥ ज॥ वि॥ न॥ द्रं॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ व॥ ह॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ म॥ द्रं॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ म॥ ज॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ न॥
स्य॥ द्रं॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ मा॥ न॥ ना॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ गी॥ न॥ द्रं॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ नि॥ न्य॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ प॥ ष्य॥ द्रं॥
॥ अं॥ व॥ ज॥ क॥ य॥ नां॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ लो॥ कि॥ न॥ द्रं॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ ग॥ ध्य॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ द॥ स॥ न॥ द्रं॥ ॥
अं॥ न॥ स॥ व॥ ज॥ ॥ अं॥ प॥ म॥ व॥ ज॥ द्रि॥ ॥ अं॥ ध॥ म॥ म॥ व॥ ज॥ ॥ ॥ **ये॥ क॥ पु॥ हा॥ न॥ द॥ जा॥** ॥
॥ अं॥ द्रं॥ स्वा॥ हा॥ व॥ ज॥ ॥ अं॥ हा॥ स्वा॥ हा॥ धं॥ ॥ अं॥ व॥ ज॥ स॥ त्व॥ सं॥ ग॥ नं॥ व॥ ज॥ न॥ त्व॥ म॥ न॥ रु॥ न॥
व॥ ज॥ ध॥ म॥ का॥ य॥ व॥ न॥ य॥ ज॥ क॥ म॥ क॥ ला॥ ह॥ वः॥ अं॥ न॥ कि॥ ज॥ उ॥ द्रं॥ ॥ ॥ अं॥ द्रं॥ द॥ य॥ म॥

हविनालो कयालाम हाकाः किल ^{द्वि} दसका धनः विष्टुहना नमस्तुते ॥
विन्द विद्या ॥ अविज्ञानवृद्धविश्वः देवसुकनधनः लाष्टा पाविदुल्लस मज्जिर्यवा
नद्रूपः आनसिवनननः मज्जधा र्वगमार्तः यज्ञाष्टदं नुद्रूपः कलितनव
पुस्तवतिनहिमनादविस्मान्माननद्रूपः निदिनलवल्लयः यज्ञमृक्पुन
म्या ॥ यनामलपयस्यवात्रिसहायेक ॥ अंष्टः आदिवजिसहवसंघनिमर
गृह्णतुवत्रिविभिर्नः अग्निर्जमाः नैज्जल्लपतिरः अथापनिवारधना
द्विपनिग्धः ॥ हानल्लनाधिपतिग्धः देवा उधर्वन्दाकापीनामहग्धदेवा ॥ ४८ ॥

मला ४ पु वि य च ना ग म ४ च ना च ना म ड क ग ल ४ स म ना प्र नि य नि त्व क नि व द य नु
स क ल क म र्श वि दि स ल ल नाः ग ड क नु पु ला स ग न स म न स प उ दा नाः स ह ह ल स
धेः प्र थ व मि धू पः वि न य न कः ग ड क नु ल ज पु पि ड नु च द नुः ॐ नु क म
स ह ली क ग नु धा न न न ॥ ॥ ह न ल व क ॥ अ न म न त्व उ या य न म शा म्भ
नु व ज पान यः मा हा व ज ज्ञा म यः उ षा क ह ह न वा यः अ ति म स ल य न स
पा स ग ड हि न ह ला य ॥ अ म न क ल नु लि ख र खा दि र नि षु र व च र ह न र
द ह र व च र ग ज र वि स्तु ष र स र वि द्य वि ना य का नी म हा ग न प नि व ड

[illegible]

न॥ मन्त्र॥ ॐ श्री गायत्री पत्रि मुञ्च नारायण नथ ग नाया ह न संम्यक् दद्याय॥ नद्य
थ॥ ॐ श्री गायत्री पत्रि मुञ्च नारायण नथ ग नाया ह न संम्यक् दद्याय॥ नद्य
डाऊया सोम्या कयिना यन मास्तु न॥ प्रसिद्धमहात्रिभिः माय नारायण संपद॥
॥ ॥ धनपात्रपूजा॥ धूपरुप॥ ॐ सर्वव्यापि त्रिकिनिय इहं हृदं स्वाहा॥ नक्तवत्
नक्तानवीया॥ इव॥ विजयन॥ स्वावाया॥ ॐ ह्रीं वज्र कर्ता नकार इहं हृदं स्वाहा॥
ॐ वज्र कर्ता नकार इहं हृदं स्वाहा॥ ॐ ह्रीं वज्र कर्ता नकार इहं हृदं स्वाहा॥
ॐ वज्र कर्ता नकार इहं हृदं स्वाहा॥ ॐ ह्रीं वज्र कर्ता नकार इहं हृदं स्वाहा॥
ॐ वज्र कर्ता नकार इहं हृदं स्वाहा॥ ॐ ह्रीं वज्र कर्ता नकार इहं हृदं स्वाहा॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हा॥ नाः वाः वज्रि न॥ ॐ कूं भ्रां जिं खं कूं ॥ का दू थ न॥ ॐ सर्व द उ ना वि कूं म न काल
 स्वाहा॥ म सु सा घ न॥ ॐ ह हा डिं भू ष स्वा हा॥ हा दिम ॥ म नु ल स्वा वा य॥ ॐ वं ना
 च ना य व ज प र्वा णि न कृ त्वा हा॥ ॐ भ्र क्ता य व ज ॥ ॐ लो च नी य व ज ॥ ॐ पा
 नु ना य व ज प ॥ ॐ ना ना य व ज ॥ ॐ द्या दि प ॥ सि क्क म नि न य॥ यः लाः
 यः म न॥ ॥ सि क्क न न य वा य ॥ उ द्या ना न न च क्क ना इ निल धू ना वि द्य क्क
 नाः ल स ना द ग्मा नि ति लो क म हि ना पि य ष थ ना पू ना व ध स्ना न न सा वि ना वि
 क नू षा स्वा उ स दा रु नाः ल वा ल व वि रा न ना वि न हि ना वा ना हि का पा तु व ॥

५ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

निर्मना निर्दिनं लमलुल गता काद्यादिवर्त्तवृत्ताः प्राक्काल कलन कलामृत
 सर्वा गुरु आ क ह उ य म वि घ्रा वृद्ध क द म्ब कः द ह नि या व क उ या ह दि निः स
 न दाल लि ना द्वि गः स न तु वा वा ना का च न हि ॥ ॥ य न हि द म लु ल य य ॥
 ल व ना ॥ जी नि म्मि न च क हिल नः वं को न न मि मा ला हिः न क नि हू ल व न व हि
 निः स न द व नि मा क यः स म य द व न ल व य न ॥ ॥ अ य पा उ तु लं य का
 वा ॥ क ३ ॥ अं अ ३ ॥ वं व वा ना हि प्र व न स ह्मा ना य पा घ्रा घा वि म न पु नि रु ह्मा ह
 ॥ अं अ ३ ॥ वं व वा ॥ अं ३ ॥ सर्व वृद्ध ता कि नि य व ज प्र यं अं ३ ॥ हृ ह्मा ह

स

॥ अं वं जं वं नृ निय वं जं पृथं आ ३ इं रुं हूं स्था हा ॥ अं वं जं वं ला वं निय वं जं वृथं आ
इं रुं हूं स्था हा ॥ मय्या ॥ अं अं दियानं वं जं पृथं आ इं रुं हूं स्था हा ॥ वा ॥ अं पृ नं गि
निय वं जं पृथं आ इं रुं हूं स्था हा ॥ द ॥ अं का म नृ पिय वं जं पृथं आ इं रुं हूं स्था
हा ॥ वा ॥ अं या ह का य वं जं पृथं आ इं रुं हूं स्था हा ॥ वा ॥ अं धर्म का य वं जं पृथं आ इं
रुं हूं स्था हा ॥ अ ॥ अं म्हा ग का य वं जं पृथं आ इं रुं हूं स्था हा ॥ न ॥ अं नि म्मा न का य
वं जं पृथं आ इं रुं हूं स्था हा ॥ वा ॥ अं म्हा ल व का य वं जं पृथं आ इं रुं हूं स्था हा ॥
॥ अं न न्ना व रु य वं जं पृथं आ इं रुं हूं स्था हा ॥ वा मा वं न वं उ पा ॥ ४ ॥

व

व

रावना ॥ अं ह्ये ला अ ल वा य सर्व धर्मा नां ल ह्ये ला अ ल वा ॥ अं शु न्य ती स्तान व
 ज ह्ये ला वाल का क ॥ ॥ क वा अं ह ग न श्री भू म् क वि द्या ना जन म ह्नु नैः व
 शु मि स्त मि न ना थः म न्नु ल क न ना म कः मि थ्या ना म न क पा यः रू ष्मा क प ज
 ना य चः ग ल ह ग व न न ह्ये ल ग वः शु सा द क शु म ह्नु मिः इ ह्नु म लो ह्नु मा
 व्वा ग ज व क्त्र या ल दः ह ल ष्वा वा धि ह्नु लो म्भ या वा न्या म न्नु द अ ना ला का वा ला
 म्भ ल ना र्त्त वा धि ह्नु लो म्भ या वा न्या म न्नु द अ ना ला का वा ला
 का क म ह्नु वा जि श्री ह्नु क ह्यः म न्नु ल क नि थ्या मि ज ग ल्वा ॥ इ व थ ग का प रा

नतः भ्रमकपाभूपादायः ससिद्धस्य नमः कुलः सर्वप्रतिष्ठापयामिः सानिध्यक
 तुमहं चः उं भ्रातृकं वज्रधूपं ह्यहं ॥ निमन्तना ॥ उं भ्रदमसुहृन् जन्मः सु
 हृन् जिनिनं वमः समयसु च दवानां हविना हनसं स्या भ्रवे वना हविष्यामि
 वाचिचि न कच न सः नथमग न कुलात्यक्तिः समानूत्या न संयः भ्रम भदि वस्य ह
 यः यस्मा म ददनूतु नः सुनीपा ना ह्यहं मः सर्वदुःखनिमन्तना ॥ ॥ रवे
 यकः ॥ उं जल गलं सकनसु च हृदि हिनस्यः सुवा म कस्य व न च मे कुलाधिप
 सः नलम म लह संतुप न माहि धका ॥ उं वं भ्राजि रवं ॥ इहं कन ॥ उं प्रतिविम

समाधर्मा अक्रुशु की हना विनाः अग्रान्ना विनायातः हुतु कर्म सुम हवी ॥
 कामान्ना चित्रा ॥ अं वज्र मष वज्र सुवर्ण जल धाल ल्या हा ॥ ॥ च न काय ॥
 अं वज्र सिन्धु न तिल कल वन स्या हा ॥ ॥ अं का काय ॥ अं वज्र गम न प्रज
 मय सुम नु ह न नीः अक्षु पवि नाय अं वज्र वां च गदृ क व म् वा सु स्य हा ॥
 अपः खान काया ॥ खलि व ४ कू नी वृ ध खलि द वा ४ म् म क काः खलि सु वी ल नानि
 सर्व का नो द तं नु व ४ वृ ध प्र न्या न ला य नः द व ना नी म न नं चः या या च सु म ल प्र न
 ४ सु व र्था द सु म् च नाः खलि वा दि प द लो नुः खलि वा उ य उ व्या दः खलि वा वज

नामाग्यः सुस्त्रियः गान्धर्वः सुस्त्रिनागः सुस्त्रिदवाः सुस्त्रिमन्त्रादिर्नस्त्रिर्नः सर्व
उस्त्रिवाग्लुः माघर्षापायमाग्नः सुर्वसुस्त्रा सुर्वप्राना सुर्वतना चकवनाः
सुर्वदेवे सुस्त्रिनः सुर्वसुस्त्रिनिनामयाः सुर्वरुद्रानिपस्यनुः माघर्षिपाय
माग्नमन्त्राणि रुद्रानिः सुमाग्नानिष्ठागानिः सुमावचमानत्रिः कूर्वन्नुष्ट
त्रिर्नर्न प्रजासुदिवा चनाजीवचनकुधर्मः ॥ ॥ हा आवाया ॥ अं वजनव
दस्त्राहा ॥ सुमयकाया ॥ अं वजनवदमस्त्रपनमः त्रिनाकायहक्रियकाः ॥
गान्धर्वनिपस्यमानाः नगवक्रचूदामनि अं वजनवदस्त्राहा ॥ ॥ धनाश

या॥ अं नूमा ह ग व नः वि न वि न स न वा म हा का ल्या मि सै नि ला यः ज ना म क
न क न ले न वा यः डं ष्टा क ना ला गृ हि ख न मू खा यः स ह स्र ह ज ला स्र ना यः प न
मु पा ग दः ॐ ग ड न क पा ल ख ली ग म त्रि नः व्या द्रु र म्मा म्म न ध ना यः म हा धू मा
ध का ना यः व पु ष्प य द्ग र ह ड र खा हा ॥ ॥ म न वि य ॥ अं न ज हि ना मा व द्ग न त्त
का खा न ना मि पा प न वि न पा त प द्माः स्मृ न प्र दि पा ह न मा हा का नाः कृ न दि प मा
लाः न व य नि न त्तः अं व ज दि य डिं खा हा ॥ ॥ प्रः पः लाः घीः तुः ॥ अं न ला श्री
व ज वा ना हि ॥ ॥ हिं जि न स्र तिः म्म न्मा व न दा हि माः म्म वि सि डि व

सत्त्वायः महासत्त्वायः महाकाशनि कायः नन्दनदा क्रुना वृक्षसूर्ययना ॥ म
नुजयिना मनुनि ॥ जं नमम्या हेतुकाय ॥ ग्राहकं महाविनः वा नहि वापि जागि
निः नम्यामि सर्वलक्षणः यामिनि गन्तु विनी ॥ १ ॥ वज्रजकिनि कादविः धम्भा
यानामिकाहिनीः गजवर्मन्तु लोमकाः खलुला हानु रूपिनि ॥ २ ॥ वत्साय म
नलन्त्रानिः कनकादानि चतुर्मुखीः त्रिभुवनका कतुदायाः खदी मडुतूकानना ॥
॥ ३ ॥ हम्भना ह्य कठिका वदः ॥ ३ ॥ मन्त्रकनाननाः कनाठयमतादिवः पाणव
यमइनि की ॥ ४ ॥ यमदष्टि व्रमन्तुः पत्रहोयममथनि ॥ द्वादशनामहा

ॐ नमः शिवाय ॥

दयिः श्यायुष्य वरुणा ॥ १ ॥ नमस्तुत्या इह दवा वाङ्मः शानिनि त्या नमनमम
नमस्तु वक्र नाथायः नमस्तु त्या न दायः सर्वस्व सुमायु कं भाकृ सिद्धिं च दहिम
॥ ६ ॥ ॥ नितो या द गमत्स के मुनि ॥ नमामि वज्र वा नाहिः सर्वपाप प्रभात
निः ~~विषय निः~~ ~~विषय निः~~ ~~विषय निः~~ ॥ वेत्रावनि कृता त नाः मृक क
गि ~~विषय निः~~ ~~विषय निः~~ ~~विषय निः~~ ॥ २ ॥ पंचमूला मील
संतीः स्तुत्य स्वत्वांग त्रिषि नां कन वज्र क ना ठ स्ताः वन्द्य बज्र विनाहि नि ॥ ३ ॥ म
डा पं च धना दहाः मृदु माला वि त्रिषि नां ॥ निला हा ग्ध मूखा लखाः वन्द्य लोका

हृदयि॥ ५॥ हे नवाय मखाग्रं वः विजानककृत्तुवर्चिकं विधुसुविश्रुधा नाकः वं
इमहर्षकनि॥ १॥ नागविना गशामधः लवा लवः विवर्लिनी॥ सुमहर्षनामह
दविः वंङ्गनाम्ना नशागिनि॥ ६॥ पञ्चम नसुदायानः पञ्चसुत्रिस्तुलजना॥ गी
नवाद्य नाना नित्यः वंङ्गनाम्ना नवद्विनी॥ ७॥ सदवसादिसा नक्रनिर्लुष्टास
वात्रया॥ ननवत्रननप्राः वंङ्गनिर्लपत्रायना॥ ८॥ सादविस्तिद्धिदानाकः या
मवा नसुदामनी॥ वृद्धनिर्बानः दातीत्यां वंङ्गवधसमानन॥ ९॥ इति वज्रवी
नामिती॥ ३॥ सुमाय॥ ॥ सुनाक्रनविस्त्रजने॥ ॥ ३॥ सुमायि॥ ॥

॥ ॐ ॥ उ न मा ग्रा व कृ सं न रा य ॥ ॥ ॐ ॥ अ इं श्री म ह ज स त्व गृ नू व न च न न क
म ला यः स म म्हा ना व ल स न क रा य न म ड् ॥ व ड् ह वा धि स म म्हा न्का न नि य णि म य
ः स ड् नू य त्प सा द न म मा र्थ स्मा न स न्द वा ॥ श्री म नू व ज दा का यः ॥ कि नि व कृ व र्ति
न ॥ प र्थ स्मा न सि का या य ॥ ल म य ज नो न म मा या व नो व ज ॥ कि न्यः स्मा न स न्द न व
न ना ॥ लो काः कृ त्प उ वि त्प न्य स्मा व ति ह्या न म ह्म ह्दा ॥ ॐ स्म ल ॐ स्म स्मा स व ध म्हा
ना स्म ल ॐ स्म स्मा ॥ म ति त्या का न न गु न्य ता म्हा व य न ॥ श्री का न म ह्म य स्मा न ह
का ल ह्म गु व र्ति नः नू का न नू प ना म्हा य कि का न न क ति रि स्मि न ॥ स व स त्व ह्म न न ह्म

ना ४३३ वल्कलित जसम्बतः मात्मानं लवयत ॥ ॥ नदनूक नमः ॥ द
किन हरे श्री का नन लं र्य मन्तु लं ॥ वा म हरे श्री का नन वन्द मन्तु लं ॥ हस्ता
उनिषा ॥ अ हन म हि ला हा ॥ इ वा व ह ह ह ह ह ह ॥ अ व ह र्याः जी मा
ह हिः ह ह ह ह ह ॥ व न वा द न ॥ अ ह र्या हा ॥ व ज ॥ अ हा हा हा ॥ व न ॥ व ज
सु त्व स ग न वे ज ने त्व म न न मः व ज ध म म यी न व ज क म म ला ह व ॥ अ न
क्रि ज ह ॥ न ना म वा धि ष्ठा न ॥ अ ग्रा व ज ह न न क ह ह ह ह ॥ अ कि नि जाल स म
न हा हा ॥ अ र्व न ना ह ह ह ॥ अ र्व नु लो ह स र्वि धा नू ले न य ह र ह ॥ स स

अन प व्याधि खान ॥ अं व ज मं स्त्र ला हा ॥ मं च ॥ अ व ज प व्या ला हा ॥ प व्या ॥ अं व ज ध
प ला हा ॥ ध प ॥ व ज दि प ला हा ॥ दि प ॥ व ज न व द्य ला हा ॥ न व द्य ॥ अं व ज ना जा
य ला हा ॥ अं भ का ग म स व ह व ध मी न म ग य नू न ने ला नू ॥ अं भ क ई ह ह ला हा ॥ व त्या धि
ला न ॥ अं ह पु नि लि न व ज ला हा ॥ अं भ क ई ॥ म नु ला धि ला न ॥ म नु ला धि ला न ॥ ८ ॥
ज ह ४ हा ४ झी ४ ४ र व ला हा ॥ ई ॥ प न पी ला ४ न्य ना म्हा व र न ॥ झी का न न प म
ल ज न मी का न न मा म किः क प्र दि त जा व ज व ज ह ला ॥ ई का न न मी की ल क प्र
दि त जा व ज व ज ह ला ॥ न न ४ ह प न जी ग्य न म हा ग रान ड वि त न प स्य न ॥

[illegible]

ना॥ क॥ क॥ हृदय॥ श्री॥ नाहि॥ उ॥ निग॥ मु॥ सु॥ उ॥ सा॥ सु॥ सु॥ सु॥ ज॥ वा॥
न॥ पा॥ द॥ गु॥ लि॥ सि॥ व॥ न॥ न॥ द॥ य॥ म॥ ह॥ स्म॥ गु॥ त्रि॥ क॥ जा॥ न॥ त्यां॥ ॥ अ॥ यि॥ था॥ य॥
पि॥ था॥ क्र॥ उ॥ प॥ क्र॥ उ॥ क्र॥ उ॥ प॥ क्र॥ उ॥ म॥ ला॥ य॥ का॥ म॥ ला॥ म॥ म॥ म॥ न॥ प॥ म॥ म॥ न॥ ॥
अ॥ ह॥ ह॥ द॥ य॥ न॥ म॥ हि॥ सि॥ ल॥ सि॥ ल॥ सि॥ ला॥ हा॥ क॥ मि॥ था॥ यी॥ वा॥ ष॥ ठ॥ रु॥ वा॥ क॥ र्था॥ क॥ क॥ हा॥ व॥
क॥ द॥ या॥ ह॥ ठ॥ ह॥ ठ॥ सु॥ व॥ र्था॥ य॥ ॥ ॥ अ॥ वे॥ ना॥ हि॥ हा॥ र्था॥ ह॥ द॥ य॥ श्री॥ मा॥ व॥ क॥ क॥ कि॥ मि॥
ल॥ सि॥ क॥ क॥ सि॥ था॥ यी॥ ह॥ ठ॥ ह॥ ठ॥ सु॥ व॥ र्था॥ य॥ ॥ क॥ ति॥ अ॥ ग॥ न्या॥ म॥ अ॥ क॥ न॥ म॥ न॥ क॥ क॥ ॥ अ॥ र्था॥
ग॥ म॥ न॥ क॥ क॥ ॥ अ॥ श॥ आ॥ न॥ न॥ क॥ क॥ ॥ आ॥ आ॥ न॥ क॥ ॥ ॥ न॥ न॥ ह॥ ह॥ द॥ य॥ अ॥ का॥ न॥ न॥ व॥

तिर

उभं नु लापति कृष्णं काननं शरका न न कः उं का लं गुड कं कं हं हं र का नां नी ॥
शरकालिपकि उरः गुड न क कृष्ण वरु म् वा र्थ न द क न प त्रि ल न च कृ प म व ज
वा कि गु धि क क र्थ न ॥ नृ प ल्क सु वे ला व न वे द ल्क ल्क व ज गु र्थ ॥ सृ ह्म न ल्क प म
न र्थ ल्क नः स ल्काल ल्क ल्क व ज ना ज श वि ह्म न ल्क ल्क व ज स ल्क श स र्व न थ ग न उः
शरु नू का व ज श व कृ षा म ह व ज श ल्म न थ ल्क ल्क व ज श श्रान थालि व्या क व ज श व
क थ ना ग व ज श ल्क ल्क मा ल्क र्थ व ज श स र्व न थ न ल्क ल्क र्थ व ज श पृ थि वि श्र गु प
न निः श प थ गु मा न नि ॥ न जा थ गु ना क र्थ नि ॥ वा यू ध गु प म नृ ल्क ल्क र्थ नि ॥ श

का सधनुः पमका न नि ॥ ॥ पून ना आलि का लि प कि म थः नं का न न न न प लि
न न स र्थ मं ल न म थ डं काल प लि ना म न ल ग व र्कः क ष्ठ व र्क व ल जे प थ तु त्या
व ज व ज र्थ थ ध नः दि नि या त्या र्व मं न र्कु नि या मः न नि या त्या त म नू व ला गः व
तु मू र्थ क ष्ठ म म न क पि र्ण ॥ ॥ का का म्म क ष्ठ उ नू का म्म म्म माः म्म ना म्म
न काः म्म क ना म्म पी न य म दा हि क ष्ठ पी ना य म इ नि पी न न का य म ड ष्ठि न क म्म
माः य म म थ नि म्म म क ष्ठा ॥ ॥ न ना अं ल म्म ल म्म क ष्ठ क ष्ठ क ष्ठ ॥ अं ग क ष्ठ र क ष्ठ क ष्ठ
ह ॥ अं ग क ष्ठ य य र क ष्ठ क ष्ठ ॥ अं श न य हा ल ग व न वि द्या ना ज क ष्ठ क ष्ठ ॥ ॥ न ना

आकारा लंका ननय त्रिग नं सूर्य मं नु लं न लभ्य कं का न न विष्णु वज्रः कं का ना
विह्वलं ॥ नडस्मि नाय वह न प्रमानं वज्र कनि का नृप नृधम गने ३ वज्र मयितु मि
विलाया ॥ अंभद निवजि हव वध कं हं ॥ अं वज्र प्रा का न कं हं व कं ॥ अं वज्र पं ज न कं
पं कं ॥ अं वज्र वि ना न कं स्व कं ॥ अं वज्र सु त्र जाल तां हं तां ॥ अं वज्र का ना न ना का कं ॥
कं जाल ज ३ अं वज्र दि ग प्रा का न वदि ३ कं प नि व सि ता ॥ अं वज्र दि वि घ्ना न ह द य कि
न य न ॥ अं वज्र घा ट य धा न य सर्व द्र ष्ठा न कं हं ॥ अं कि न य र सर्व धा पा न कं हं
अं वज्र कि न य वज्र ध न आ क्ता प रं नि सर्व वि घ्ने वि ना य का ना का य वा कि चि न व

आकिल यद्गुरु ॥ अंबजमूर्तिलवकिलाकातरयद्गुरु ॥ इति निविष्टम्लावय न
॥ न न स हृदयसुद्धकात्रनसिंहि जगदसुद्धला अकनिष्ठवन्नंगत्वा
न न सुभ्रनादिस्तु सिद्धि उयादसात्मकं हगवन्नहगवनि सुपलिवान्नहग
वनि समापन्नपश्य न ॥ न नो हृदि जननसिमा लाहिला कृषा कृानचक्रमा
कागदस्य दृष्ट्या अहिमूखमहिर्हृपृष्ठसमं न ह मय मं नुल्लयुयस्तु स न
सिद्धि न मनामयिहि प्रजादविहि श्वप्रजय न ॥ ॥ अहं ३ श्रीवज्रहृत्क
यवस्तु स्थात्राय याद्याघं शवमनं शाकनं पुनिकुल्ले हा ॥ पाद्यादिलं व नय ॥ अहं

वहा ॥ पर्याप्त ॥ अं प्रावजह नू नू कङ्कं कङ्कं हट्ता कि नि जाल स म न सा हा ॥
अं जी ह ह कङ्कं हट्ता ॥ अं इ स र्व व द्वा ता कि नि य व ज व न्नी य व ज व न्नी य नि य कङ्कं
हट्ता ॥ म यो ॥ अं ता कि नि कङ्कं हट्ता ॥ प ॥ अं ला म य कङ्कं हट्ता ॥ उ ॥ अं व न्नी
ग ह कङ्कं हट्ता ॥ य ॥ अं नू य नि य कङ्कं हट्ता ॥ द ॥ अं वा धि वि रु म न ल न्नी कङ्कं हट्ता ॥ वि दि क
॥ ॥ अं वा धि वि रु म न ल न्नी कङ्कं हट्ता ॥ प ॥ अं क न र र च न्नी कङ्कं हट्ता ॥ उ ॥ अं व न्नी र य ल म नि य कङ्कं हट्ता ॥ य ॥ अं ता स य र म हा ना स य कङ्कं हट्ता ॥ अं क्री
ह य र वि न म नि य कङ्कं हट्ता ॥ न ॥ अं क्री र ख व नि य कङ्कं हट्ता ॥ न ॥ अं क्री र ल क स

लानय कंकंरुदु ॥ वा ॥ अं हं र इ म का यं कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ विरु चक्र ॥ ॥ अं हं र
त्र ना व नि य कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ ठं दं हं र म हा हं न वि य कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं च र र वा
य य रा कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं हं कं र व स नू चि ना न मा ला व ल वि ने कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं ग
ज र हं फ पा ना न ग न ल ज म हं य वा ग कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं मा द वि य र कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं
जं अ क ध र हं ल हं कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं जी र हं य कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ वा ॥ अं हं र ख ग म न
ल कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ वा कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं आं र व क वं ला कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं हां र र व
लु नी हं कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं जी र हं नि नी य कंकंरुदु ॥ ॐ ॥ अं कं र व क व मि नी य कंकं

कंरु॥ द॥ अंकीतिरसुविनंरुंरुंरु॥ अ॥ अंजितिरमहागंरुंरुंरु॥ ने॥ अंधी
तिरवक्रवल्क बहियंरुंरुंरु॥ वा॥ अंहितिरमहाविष्यंरुंरुंरु॥ ने॥ वाकव
कल्या॥ ॥ अंकाकांरुंरुंरु॥ क॥ अंउरुकांरुंरुंरु॥ उ॥ अंरुनांरुंरुंरुं
रु॥ प॥ अंशुकलांरुंरुंरु॥ दा॥ वहुदानं॥ ॥ विदिता॥ अंयमतानियंरुंरुं
रु॥ अ॥ अंयमइनियंरुंरुंरु॥ ने॥ अंयमदष्टियंरुंरुंरु॥ वा॥ अंयममथ
नियंरुंरुंरु॥ न॥ अंमनां॥ अंरुश्रांरुनायसांरु॥ प॥ अंगदनाय
सांरु॥ उ॥ अंकांरुनायसांरु॥ प॥ अंकनकंरुनवायसांरु॥ द॥ अंरुंरुंरुं

हासायसाहा॥ **५॥** अं न श्री व न इ नं नायसाहा॥ **६॥** अं धा ना ध का नायसाहा॥
७॥ अं कि रि कि लाल वायसाहा॥ **८॥** ॥ **पंथायसाहा** ॥ **षादसलाहा** ॥
अं वज विलङ्गा॥ अं वज वं स नी॥ अं वज मृ द लङ्गा॥ अं वज मृ त्रु जं अ॥ अं वज ना
लङ्गा॥ अं वज मा लं नी॥ अं वज गा न्यङ्गा॥ अं वज नृ न्य अ॥ अं वज यू यङ्गा॥ अं व
ज व्य नी॥ अं व जाला कि नंङ्गा॥ अं गं ध वजं अ॥ अं व जा द भ निङ्गा॥ अं न स व
जंङ्गा॥ अं प म वजंङ्गा॥ अं ध म धा तु ग हेङ्गा॥ ॥ **घं न्हा वा द न** ॥ अं इं हा हा
वज ॥ अं हा हा हा ॥ **घं न्हा** ॥ अं वज स ल स ग म इ वः वज न ल स न न नः वज ध म य

हायनः वज्रकर्मकलाहवी ॥ अं ॐ किं ज ३ इ ३ ॥ ॥ मुनि ॥ अं सर्वसुखानसंदा
हः जगदयप्रसादकः विनामूनिनिवाहनः श्रीसंभननमालेन ॥ वाफेविश्वम
हास्यनः सर्वमनिसदाहिनः कृपाकादमहागोर्ध्यासंभननमालेन ॥ ॥
मननार्थन ॥ अं नमो गवर्धनविनवीनम्वनायकं कुरु ॥ अं महाकल्याणि सनि
लायकं कुरु ॥ अं जगन्मकगोक्तं हरे नवायकं कुरु ॥ अं अकनागग्रहिषन
मूखायकं कुरु ॥ अं गुरुप्रलजलासनायकं कुरु ॥ अं पत्रगुणमद्यजिगुल
कमालखद्वागधतिनं कुरु ॥ अं व्याघ्रवर्मास्यनधकातायकं कुरु ॥ अं महाध

मान्धका नायव परा यकं कं हं ॥ ॥ हं हं पं ॥ वा म हं म म न कं पं कं दल
कमल ध्या त्वा ॥ **हं न वा य** ॥ अं वं वं वं वा ना हि य कं कं हं ॥ म म ॥ अं ही या या मि नि य
कं कं हं ॥ **पं** ॥ अं क्री मा हि नि य कं कं हं ॥ वा ॥ अं क्री स वा नि नि य कं कं हं ॥ **पं** ॥
कं कं सं त्रा मि नि य कं कं हं ॥ **न** ॥ अं हं हं हं व नि का कं कं हं ॥ **द** ॥ न द हि व द क
॥ अं हं वं वं स त्वा य स्वा हा ॥ अं न म हि वं न न ना य स्वा हा ॥ स्वा हा कं पं म न कं म न
य स्वा हा ॥ वा वं वं न न स ह वा य स्वा हा ॥ कं कं हा वं वं स र्था या स्वा हा ॥ हं हं हं पं न मा
म वं वा य स्वा हा ॥ **कं न म हि म म स्वा य यि त्वा ॥** ॥ **पं म निः** ॥ या मि न्वा र्व नू मा हि

निहगवनि संवात्रिनिःसर्वदाः संजुष्टिन्य न थपत्रा सुविमत्राया लखत्रिचडि
काचत्वात्रा पुजेकश्चाननमस्तु निलासि नागर्था म्थामा धूर्ध्रसध्वना म्थसुनन
वंदु वीठ नाडव रुद्रक ४। उत्यादह अनदि नी वंनु दह धात्रिः न क पु ली विजय
निःवतिष्ठ तु नू पि ॥ वज्रगना गुनगर्ल ४ सुमर्ल क नाग्राम लव्वयामि म न
नंज निनानी ॥ ॥ नर्थन ॥ अनं मा हग वनि वज्र वात्रादिय द्दं दं ह ॥ अं
न मा हग वनि आर्य अ पत्रा जि नं जे नो क्क मा न नं दं दं ह ॥ अं न मा हग व
नि सर्वत न लया व ह म ह वज्र दं दं ह ॥ अं न मा वजा सुनं अ जि नं अ पत्रा जि

नवम्य कृत्ति न जं जमनि कं कं हृद ॥ अं न मा ग्रा व नि सा व नि डा ह नि क ला त्रि नि
कं कं हृद ॥ अं न मा सृ ज स नि मा न नि स ह द नि प त्रा ज य कं कं हृद ॥ अं न मा ज त्रि ज
यः ज म् न नि स म् न नी मा रु नि च कं कं हृद ॥ अं न मा व जि नि व ज वा ना हि व ज जा मि
नि का म स त्रि ख ले कं कं हृद ॥ अरु प द मं कृ ति ॥ स ना क ॥ ॥ या प द स ना ॥ क
न का त्रि न म नू मा दि नः म द्ये म वि लः नि हि न दा षा नाः पु मि द स या मि पू न न ध
पू न न क ल सृ स मा न वि द धः अ व क ४ ख गै जि ना र्क म ३ जि न स न स त्र ना निः कृ ग
त्रा निः अ नू मा दि ना निः वा र्ध स म् य क प त्रि ना म या ष जि न न त्ता नि जि उ यं ग न

नः गणेशः सर्वलोकवाधुर्न विदधे नूनं न त्रमाग न च सव ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 ग ॥ ॥ नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 लो वशुद्धा सर्वधर्माः ॥ सर्वलोकवाधुर्न विदधे नूनं न त्रमाग न च सव ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 मा शुचु वेति लुद्धाधि सुम्भानपूतना नः नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 दृष्टा ॥ ॥ अयं काशन वायुमं नुलः चन्द्राहं निलक्ष जाकि न ॥ नमो भगवते ॥
 ननाग्रिमं नुलः चन्द्राहं निलक्ष जाकि न ॥ नमो भगवते ॥ नमो भगवते ॥
 वलुलं नमो भगवते ॥ नमो भगवते ॥ नमो भगवते ॥ नमो भगवते ॥

सुसुसुसुसुसुसु

वउकोलपूनिगुविदवजादिन॥ नइयनिरुका ननएचिसंकुलः मयः अरुगु
मावराहिनैः॥ नइयनिरुका ननः विग्यपनः नलमधकंका ननविग्यवज॥ नलमध
पजा नविग्यमादलं॥ नइयनिरुका ननः कनामानः वउनमुः वउद्वानः वउला
ननवित्तपिनै॥ हाताद्वानवकुलीः कर्मभाषपर्यतक॥ नयनिरुका लिकालिः
द्विगुलवउमं कुलः सुखसं कुलं॥ नयामध आकाशवुः कंका नल ननसं
ननामकं॥ नलसर्वपतिन न आनाधयमं कुलं आह नकसु मं कुलं यमा मान
लावयन॥ ॥ ननामानं वउमं वउमं नमस्वकु कु वासग्यमं पश्चिमनकः द

क्रिनापन॥ पुनिमूषनकवर्तुनप्रिनर्तः विरुतानननेडछादुहलीषनीः विश्व
वजादिनमोत्रिनः जनामकूटिनैः वामवत्रिभाद्वचदुमोत्रिनैः दक्किनमृकुम
लुवजमाताग्रन्ठिनैकपात्रयचकधत्रिनं॥ द्वादहजंभालिंगनहजदयनैः
तमनूखत्तीगवजरघन्याधनै॥ द्वात्रिंशत्तजदयनैः गजचर्मवत्रधनै॥ त्रिंशत्
तजदयनैः तमनूखत्तीग॥ चतुर्दशतजदयनैः पत्रसूत्रकपूर्कपात्रधनै॥ प
ञ्चमत्तजदयनं वज्रकयाअधनं॥ सप्तमपञ्चसुनत्रमात्राधत्रिनं॥ द्वाष्टचमृनि
र्वसुनैः आगत्रविनविहृत्हास्यनाडहयानक॥ कनूनाहृत्तमर्नैः ४ नज

नाथसुनान्विनै॥ कन्धि कं नु न कयु न मि लो म मि य स्था पु वि नैः हस्त व
निष म्ना म्नादि नै॥ न विमं नु लं वाम द क्रि न लो ला पु मि लि नै॥ हें न व का नि
प्राप्तिः वाम क र्त्तु न य ग त थाः भालि भ्म सु न स लि नैः लो व य न॥ ॥ ह ग व नि
वज्र वा ना हिः न क व र्त्तु म्ना क क साः लि न ना त्र क व कुा दि ग म्ना त्राः ख नु म्ना दि नैः
क नि भ य म्ना दि त्र जाः वाम त्र जे न न क व र्त्तु क पा त्र ध ना॥ द क्रि न ल जे न इ व न
कु निः वज्र क नि का॥ ऊ घा द य न ह ग व र्त्तु स मा ग य नि त्र व र्त्तु ना ह ग
व नि लो व य न॥ ॥ न ना य र्त्तु दि दि द ल व र्त्तु ता कि नि लो म र्त्तु लो हा नू पि

नि॥ कृष्णस्य मातृक उर्मर्याः ३३ कवक्रावतुलजलजाः कयात्रयत्वागवामकना ४
उमत्रकनिदक्रिनकनाः डष्ठाकलालवनदना ४ पक्षमन्त्रावित्तविना ४ आति
हासनहनीनी॥ विदिग्दलैष्वधिचिह्नामृगलान् कपालानि॥ नद्विष्टयम
विह्वलवक्रभ्रष्टीर्लैनीलवजा॥ विलितविर्ग ॥ ॥ नस्यपर्वदानः॥ प्रहिल
ममत्रयः सन्त्रकपातीर्नपुवन्त्रा॥ उन्नत्रजात्रैधनमहाकैकात्रपुलामनिर्चन्द्राक्षिः
॥ यक्षिभउदियानकैकैकालपुलामनि॥ दक्रिनभ्रष्टदविकठडुष्टिनमाहाना

ॐ॥ आत्ययी गजवज्रसुता वेति नवी त्रसति॥ नेज्ज्वा तामसुति अमिना ह्ये
वति॥ वायुर्वा दवका निवज्जुहं लंकसुति॥ नृसा न्यो मा तव वज्जुहं ड्रु मक्का
या॥ नृनि विवक्र॥ ॥ द्विनि यवाङ्कङ्क॥ अवा न तर्कः पम्मा वति सा मा वि नृ
॥ नृस्य पर्वद्वा त काम नृयि अकलि कं त्र ना वनि॥ उह नृ उह वज्जु नि वः महा ह
न वि॥ पत्तु म ति सु क्क ना म हा हे न व वायु य म॥ दक्कि न का मी त सा व ज्जु क्त न
सु ना ह क्रि॥ आत्ययी कलिग सु ह ड्रु म्मा मा द वि॥ ने न न्यां न पा क व ज्जु हं सु ह ड्रा
॥ वायु य म प न म हा हे न व की प ह य क नृ॥ नृसा ना हि मा ल य वि नृ पाः क्रमा

ममना ॥ नितिकायचक्रं ॥ ॥ नितिकायचक्रं ॥ अष्टानगुं गुं वक्रवति
आनंदनं ॥ नस्य पूर्वा न पुन पूजा महावतं वक्रव गम ॥ इतु न गुं हृदव नावत
वक्रव न लाहा ॥ पक्ति मरुता व हर्षा व र्म नु लि ॥ दक्ति न स व र्म द्विक प आ
का स ग हृद व र्म नि ॥ आत्य शी न ग ले ग्रा ह नू क स वि ना ॥ ने अ त्या हि क्षा प मन
ने स र्म महावत ॥ वा य व्या म ना वे ला व न व क्र व नि नि ॥ इ हा नां क न ना र्था व र
हृद म हा वि जी ॥ नितिकायचक्रं ॥ ॥ खं नू क पा ना दि शा वि ना न क्र व क्रा
व तु ह जा इति न त्र ज ना म क षा म ठि नाः आ ति ग न ह ज द य न स व क्र व ज र्म नू

वासवत्या ग द क्रि न उ म नू क पं च म अदि ग म ज्ञान् आति हा स न स ह्नि न ॥ पुं च
डा द व्या त्र क व कुा दि ह जा ४ आति ग न क पा न ह स्ताः द क्रि न व ज क र्हि का ३ त्रि
न जा त्रो द नू पि नि ४ मू क न क म्म अ द्या ग स मा प न्ना दि ग म्ब त्रा ३ पं च म्म डा वि
ह पि नाः ॥ पूर्व दि हा नः ॥ का का म्म क कः उ नू का म्म न का म्म माः म्म ना म्म न
ः म्म का म्म पी ना ॥ अ ल्य या दि का न व ॥ य म दा दि कू क पि नाः य म इ नि पी न न का
य म ड वी न का म्म मा य म म य नि म्म म क षा ॥ त्र ना या गि न्वाः उ क व कुा र पु र
का ४ ॥ वा म का पा न ख त्या र्ज द क्रि न उ म नू क र्हि काः ४ पु र्या ति रु प दा ज्ञ ना ४ स

सहनानिबसनाऽवक्ष्मडावितृषिन्नाऽकपात्रवजावलिबिहृषिनाऽत्रिन
बालककसाऽनोडसुखाविलाय॥ नकाकायवाकविरुदनप्रतुःकनीविश्वधि
न॥ सर्ममध्याना नःनकमकिरेवकेनान॥ अंभाऽङ्गसुर्ववित्रजागयामि
कायवाकचितवजस्रहावामकाङ्ग॥ ॥ **वर्ववनअगन्याग॥** अंहनमरुह्य
हाङ्गवाषकुरुङ्गङ्गहाहुरङ्ग॥ वा॥ उर्वलशङ्गोमाङ्गङ्गोङ्गङ्गहृहृ॥ ॥
अंशागमस्यसर्वधर्माऽयोग्रुकाङ्गाननतुमानिनकाननवक्रज्जाकागदलपदृष्य
॥ अङ्गवंहं॥ आत्मानमै॥ नवप्रननाकृष्यनिधया॥ अंवजस्रकाऽसुर्वधर्मा

वज्रसूक्तं ॥ ॥ नमो अहिष्कृत् ॥ अहिष्कृत् कुरु मां सर्ववीर्यागिन्यः
अष्टाहूतकवजसालवामकाहं ॥ यथाहि जा नमामा नैन सुनायि च सर्वनथ
मन ४ नथ अहं सुक्तं ययिष्यामि शुद्धे दिव्ये नवा त्रि ॥ ४ ॥ अष्टाहूतं सर्वनथ मन
अहिष्कृत् सुमनस्य ॥ ॥ मरु नन पर्या ॥ अहिष्कृत् मरुतवजं उष्ट्रं कुरु
नमोस्तु नयुष्माकं पजानां च यमक नपव कृताहवं ॥ अवजं च न स्वत्रि अ
हिष्कृत् ॥ अं वज्रवजिनि अहिष्कृत् तं ॥ अ नत्त वजि अहिष्कृत् ॥ अं ॥ अं
धर्म वजि अहिष्कृत् ॥ अं कर्म वजिनि अहिष्कृत् ॥ वज्रमकृताहिष्कृत्

[illegible]

प्रियमा॥ नर्यन॥ नृनिर्मन्त्रादिशागद्विनिय॥ ॥ ननो आत्रिकालियकिर्य
कृत्स्निकालस्त्रननदवताविन्दानूवातशत॥ दक्षिणवायुनिष्पृष्टजगद्विच
क्रियन्मृनादिसंहिदि ४॥ ॥ आचक्रसंस्तवीतवितनिसमस्तसितना
वामनासापुढनप्रवसनालोपनिविस्ववतस्त्रकाताचक्रमन्त्रलीलनाथिचित्र
॥ ननमृदिनिष्क्रुद्रंनकचक्रविजयतिसुतहगवर्नसहजसंस्तवीमृद्रव
रुश्रितिसनस्तुआकासचिद्रमदृग्निदि॥ तजमकमूर्खवज्रवज्रघन्डाधन
उल्लख्यवज्रकपावधानिनिदित्तजैकमूर्खीनकवज्रवा। गहिस्समायुत्रविलख्य॥

नयामाया सुन नक्षत्रि ससा रुष्य उधु कवक्र क्रमनल वयन ॥ ॥ जगति
मम न वृममम नि ससय क्र ससय क्र का कादि क्र का का ग्ग दय ग्ग ॥ जकि निदि क्र
जकि न्या दयः ग्ग ॥ काय वक्र काय वक्र ॥ वाक्र क्र वाक्र क्र ॥ विरु वक्र विरु वक्र ॥ मृहा सु
षव क्रम हा सु वक्र ॥ सी म्हा ग वक्र सी म्हा ग वक्र ॥ लग वम स्व लग वं लग व न्वे दि
तज न प्र नि ष्टा ला व नि या ग ॥ ने न व स सय सु न न म हा ना ग्ग द व व च न द्र व य नि
म नं सि धू ना न क म्हा ह न न सु दृ गं क्रं का न म हा सु ख म यं ल व य न ॥ ॥ न न
उ का न उ का नः रु का न रु का नः सि न मि सि गी भर्द्ध व न्द्र भर्द्ध व न्द्रः वि द्या वि द्ना

४
द्विनिनं चः नादं वा लाग्रमनसं हृष्टं लग्नं यविनं यन् ॥ ॥ पूर्वविदा कर्षनः पा
ः पूः पः लीः घंः म्रु न ॥ इति गुरु वृथा गम ॥ ॥ मीनु या य ॥ आः पाः पूः पंः लीः घंः म्रु न ॥
इति जापयोग ॥ ॥ न नो वति लावना ॥ यं का न न वा य मीनु लीः न इ प त्रि नं का न
नाग्नि मीनु ली ॥ न नु गुरु क्र आ ३ का न उ ४ मा न प न ला ज न मीनु त्रि नु वा रू लि का
यी वा व हि न ॥ न न ल क्का दि प त्रि य त्रि नः ॥ अं जं आं खं कं लीं मां पां नां जं का न न द
धिष्ठ पं वा म्रु न पं श्रु पु दि य त्रु प न नि ष्या द्या ॥ वा य पु त्रि न क त्रि नाग्नि नाप वि
त्रि न वि जा क्रैः नादि कं अ हि न व ल न व र्ण ड व त्रु पं दि ष्टा ॥ न इ प त्रि वि न ह्ये न

त्रिने कृत्वा श्रितिकात्रिपत्रिगत्वा त्वमां श्र ४ द्रं का तत्त्व १ अनूक्रमे न उपत्रिस्त्रि
नत्त्वचक्रदवतासुहानिनाजगदल्लु कृत्वा सुक नाष्ट नत्रसुमानियसुनावर्त्ता
दिकं द्विवित्तययध अर्थ नष्टविज्जपुनिध लावनिशा ॥ न नडांका नादिकम
पि क्रमसावित्रिनमवली के ॥ अं श्र ४ द्रं ॥ वत्त्या धिष्ठा न ॥ ॥ श्रः पाः पूः पः लीः
धः मः न ॥ ॥ अं श्रितिकात्रिपत्रिगत्वा त्वमां श्र ४ द्रं का तत्त्व १ अनूक्रमे न उपत्रिस्त्रि
स्त्रा ॥ अं श्र न्या नू ग ना सर्वधर्मा ॥ अं पत्त्य ना नू ग ना १ सर्वधर्मा ॥ अं श्र त्वा नो
नू ग ना १ सर्वधर्मा ॥ अं दय्य पुमानं समयपुमानं नदक वावत्त्य न पुमानः त्रिने

सुनन हव यने गाद व्याम मा नू य ह ह उ त ना ॥ इं व ग्ग क्र जि क्क नी ॥ अं व जा अ नि
ऊ उ इं व हा उ व ज अ कि नि सु म य स ल हृ ल्थ हा भा ॥ व त्रि म न्द्र ॥ अं क न र क न र
व ध र अ सु य र को ल य र ड र ऊ र ह रं र ह र द ह र य स र ल क र व स नू धि लो न माला व
लं वि न ॥ ग्ग ड र स फ या ना न ग न ल ज ग स र्प म्माः ग कु य र म्मा क ध र डी र ह्मा र क्क र हा
र डी र ड र कि त्रि र सि त्रि र हि त्रि र धि त्रि र ड र ह र ह्मा हा ॥ ॥ अं र व र वा हि र ह र्थ य
क्र ना क्र सु त न प्र न पि सा सा सा दा य सा न अ कि न्या दि द य ॥ न्म व लि ग्ग ड र ह
व सि धि म प्र य क्क नु य र्थ व न र्थ व ल ज थ पि अ र्थ जि धु र्थ म्मा नि का म र्थ म म स

ई सत्वा कृ सत्वा का न नया सत्वा य वृद्ध य सत्वा य का ह व तु कं र ह ह् स्वा हा ॥ ॥ प
द्यादि प्रजा ॥ लाः घीः मृति ॥ ॥ पीथमदि प्रजा ॥ अपि ल्प पीथम स्वा हा ॥ ईं कृ श्रु
कृ श्रु य स्वा हा ॥ ईं कृ श्रु य कृ श्रु य स्वा हा ॥ ईं म ना य को म ना य स्वा हा ॥ ईं म म ना य
स्वा हा ॥ मृ ॥ ईं कृ श्रु य कृ श्रु म म न धि वा हि नि वि न वि न म न सृ र्वा हि नि पु न मा
मि ईं ॥ ग ना य गं हि न ग ना य कृ श्रु य वि क ल्य क ना जि न कृ श्रु हा त्रि न ॥ स वा म
ना वा म वि कृ क म क यः वि ल व ल वा य न मा स्वा हा गि नि ॥ ॥ मं कृ न र्थ न ॥ ई
न प ल व ईं ॥ व द ना ल थ ईं ॥ ईं सृ हा सृ थ ईं ॥ ईं सृ हा न सृ थ ईं ॥ मृ ॥ ह व

[illegible]

[illegible]

[illegible]

वसुधैव कुटुम्बकम् इति विद्युः सा विदुः विदुः नृपा मृतं तनैः विदुः यनः विदुः कसु मय
दङ्गा नास्मान् दव नः य किं तनैः विदुः यत ॥ अः पाः चः ॥ ॥ निना जन ॥ अं अ
४ खं नृ ना हुं हुं हुं ॥ प्रोक्तं न ॥ अं अ ४ वज्र नृ सुव पाप विद्यु मालान हस्मि क
नृ हुं हुं ॥ पं क्तं सुव दगा अं अ ४ वज्र कर्म सुव क्तं अं अ ४ गि अं अ ४ हुं हुं ॥ अ
वतः सुव सु हुं ॥ अं अ ४ वज्र नृ सुव वत नम लान पन य हुं हुं ॥ क विमिला ॥ अं
अ ४ वज्र सुवि सुव पुन्य हान सु लाना वय हुं हुं ॥ अं अ ४ वद ॥ अं अ ४ व
नृ लो हुं हुं हुं ॥ सुव पाप मत्र प्र नय र हुं हुं ॥ अं अ ४ व नृ लो हुं हुं ॥ सुव

पापदहनवज्रः कलरक्षा नयरङ्गं हृत् ॥ अं श्राङ्गं ॥ दिपदभन ॥ अं हनरसं मृतर
ॐ द्वियवतविम्वधनिद्रनूतवनेद्रं हृत् ॥ ॥ विधिथं प्रजा ॥ पः लाः घः मृना
आप ॥ अं श्रा ४ द्रं ४ जः ॥ अद ॥ ॥ चनभ्रमिस्त्रापन ॥ ॥ ननीभ्रमिर्कन्दा
स्त्राधन ॥ अं श्रा खं नु गार्हद्रं हृत् ॥ आ क्रन ॥ अं हं खं स्रं नं द्रं ॥ अं म दनि वजिह
ववज्वं श्रं ॥ वज्रनभ्रमिस्त्रान ॥ नदनूपं कृतीहिः कृमसुह ॥ अं वजस्र
श्रा ३ ४ ॥ ॥ कृमस्त्राल ॥ अं श्रा द्रं ॥ ॐ मम हा कृम दिव्या ४ वविनात्रमदव
ता १ द्रध धर्मसंघतनाः पृथिविजाता दलागहा ४ सर्वविद्युन्मानिस्त्रसिंया

स्ति वनक्रा कर्वन्तु स्थाहा ॥ ॐ द्यादिला कपातः पूष्य न्याग ॥ ॥ न नो ॐ च
ना गोहन ॥ ॐ वृध ग्म यानिः सुवे न दनू जि न सु ना ३ देव ना न स सुचा पु न द्याः
लोकपालाः स्था सु न दिव सु नाः द ॐ ना हि ३ सु म ना ३ ग्म ना क ल्या न चि हा सु क न ज
न पति ज्ञानः न क्रार्थ ना य पूजाः पूजा गृ द्र नुः ग्म किः वि वी ध हु वि दि ना स्त ज जा ग
हृ र स्था ॥ ॥ न द नू का क र्म धन ॥ ॐ आ ३ ख नू ना हू हू हू ॥ यो क्र न ॥ अग्नि
दिव न ॥ ॐ अग्नि पा द्या द्या व म नं प्र नि रु स्था हा ॥ ॐ आ ३ ख नू ना हू हू सर्व वि घ्न हू
ल र हू ॥ त नो ग्मि न र्प न ॥ न त्व स्त स्ति वा क ॥ ॐ अग्नि हू न र हू ॥ अत्य स्था पन ॥

ॐ वं जय ऊर् न आ ॥ स य ह रु न य ऊ न ॥ ॥ अ न ॥ न ना क रि ना गि म ध यः
यं का न स जा नं व म मा न यः न दू प ति नं ॐ गि मं लः न का ला ह वं पी न व र्ण म
क म् स र व तुः ल उ वा म द नु क म द नू य नः स र्व व न क्क मा ना ध नः पि ना व न ह न न
य स्मि प्र वि ति नः त्रि न उ ज ना म क न धा ति नः व ज स र्वा न क नं श्री ति नः स म या
गि वि ला य ॥ ॐ उ ह रि म हा ल न द व वि दि ज स रु म गृ हि त्वा क्क नि म हा न स्मि स
नि दि ना ह व र्णा हा ॥ ॐ आं क्क न किं क्कं उ ३ ॥ ॥ इ कि ना ज म् उ ॥ धू प ॥
भा क ष न ॥ ॐ आं ४ क ष व जा क्क म वि ज मा क र्ण य ज ॥ ॐ वं ज पा म वि ज ना व य ज्ञी

॥ अं वज्र ह्रीं ह्रिं विज्र मा कर्षय वधय वः ॥ अं वज्रा वं म विज्र ना वय ह्रा ॥
अं का न स्य च मं हा म्यः ह्रत्य म्न च य व ह्रि ना ॥ न स्मा द्वि ध वि न स्र वः न मं कु प त म
स्य तः ॥ ह्रा न जा नि म य ज ह्रः स्र ना व स मि ध्व ह्र ना मं कु य ह्र न य ह्र नः
ह्रा ना मि ध्व नि नू प क ॥ ॥ रु ख द ह्र नि पा पा निः दि घ मा रु पु दा य क ॥ आ य
य ना पू र्ण वा यिः त्रि वि धा द्वा त्त न तु ॥ ॥ न ह्य द प त मं च नः न ह्य म नं व म
द ज ना ॥ ना हि न ध्व ह्रि नं प मीः ह्र आ दि द ज ना ॥ ॥ प म्न च द्वा र्क म ध्व ह्रः
वि ज्रः ज का न ह्र वी ना द ना न्द्र क ना नि नः वा धि ह्र ना न ना वि धि धा ॥ अं भू य

शार्दिप्यादिप्याविषाविषमहाशिवहव्यक्रयवाहानायदृश्यजङ्गं वहा ४ समयसु
त्वमिनि ॥ - ॥ नीत्राजनक्याय ॥ ॥ अं वज्रय क्रुङ्क ॥ सुगध ॥ अं वज्रनक्रुङ्क ॥
गं वनय ॥ अं अत्यप्रवसकाय आचमनप्रतिरुक्ताहा ॥ वक्रु ॥ अं अत्यप्रवस
प्र ॥ दयापादाः ॥ अं अत्यप्रवसकाय ॥ अं अत्यप्रवसकाय ॥ अं अत्यप्रवसकाय ॥
मं क्रुनसमयात्मप्रवसकाय ॥ ननुयानिहृत्तमधनः श्रीमतीप्रनयसुत्तमजान
नामकनयानाः वृत्ताकर्तृवमेवतः वृत्तादससमावृत्ताः पानिग्रहाश्रिकम
नि ॥ इत्यहिक ॥ अं सर्वनथगानः कायविश्वधनं क्रुङ्क ॥ वं सुगधमिति

ह्रीं नमः॥ अं गं क्रं रवं जं मा घ प त्रि म् ॥ ह्रस्व ध्वय र धि त्रि र म् ॥ ह्रस्व स ह्रस्व म ह्रा प य
कं वं ॥ अं जिं रवं कं ह्रस्व ह्रा ॥ पं र्क्ष ग र्थ ॥ पं र्क्ष प ह्रा न प र्क्षा ॥ पृथ न्या स ॥ ॥
उं ॥ अं र्क्ष य स्या ह्रा ॥ अं कं त्रि ना य स्या ह्रा ॥ उं प्र कृ त्रि ना य स्या ह्रा ॥ दि फ क्ता ना य स्या ह्रा
॥ ह्रस्व म ह्रा ना य स्या ह्रा ॥ अं मा नि ह द्रा य स्या ह्रा ॥ अं प्र ह द्रा य स्या ह्रा ॥ अं नं जी क
म ना य स्या ह्रा ॥ पं लाः घं म् ॥ नृ जं सं वि ज नि जा नं पी न व र्क्षः म ह्रा क लं ॥ पी
ना व ना घ न कं जीः ॥ ह्रा य न म ह्रा नं ॥ व उ त्त ज म ह्रा नं जीः य ना म क न धा न र्क्ष
॥ व न क्क्ष मा ना चः द न क्क्ष म नृ ध नं ॥ उ क्क्ष न क्क्ष त्रि न द ह्रः दि फ क्ता ला सु मा वृ ना ॥

प्रहारा नीहोदहः अनतायनमा म्भुतं ॥ नर्पना ॥ नितिसमया श्री ॥ ॥ अ
ग्निहिमा ॥ उं आ खं नु ला हं ॥ अग्निः सर्वविद्युदहनदहं ॥ नदनूपातिरमघन ॥
॥ धेनदायक ॥ उं ग्राहला ॥ ॥ क्षाखवक ॥ उं सर्वपापदहनवजायः सर्वपाप
दहस्याह ॥ जजमानद्युतावलोकन ॥ पुनिविमूखादि ॥ ॥ आपनपाउपर
जा ॥ ध्यान ॥ क्रन्त्रयतिन्यस्यपातः दक्षिणदक्षिणैकैः नृषडधं हतापरैः
क्रमानः प्रवतथा ॥ प्रवन्थास ॥ ॥ ननी अग्निमक्रुतूकाननः यवकृत
पुमाशुक्रवजिविलय ॥ जानतनतलि नं सर्वनवद्विस्तुषः वृद्धः मन्त्रनः ॥

आद्यु नाद्रुनि दद्या ॥ ॥ न नो लो व नाः प्रां क्र न सर्व ग्म उं पू या र्घी पा र्धा प दा
प र न ॥ मू द्वि अ र्घ क ना द द्या उ व कू ना व म न न था ॥ सर्व द र्घ मू र्घ गं न्ध हृ दि
हृ ल सि प र्था कि ल कू लो द्या दि कं हृ ल कू ना र्घी धू प नं न थाः समि ड ल दि कं सर्व
ः प्र ल द्या दि प नं पू न ॥ त्रे व द्या दि न सा प नः पू न न कू र्घ व स ल ॥ ॥ घ न न प त्रि
लि फ नः सु मि ध प त्रि ल म ध य ॥ म नु प त्रि न द्या त्रि न स म्प क कू र्घ या द्र ज पा नि
ना ॥ ॥ ॐ अ र्घ हा ॥ सा ध न म नु ॥ ॐ अ र्घ य र्घ हा ॥ ३ घ ना द्रु नि ॥ घ न प
त्रि फ न सर्व हृ मि धं कू र्घ या न ॥ वि म न म य स मू र्घः निर्म लं ज ल प र्नि न ॥ ३ ग्ध न त्वा

मिनंगवसिबःयडिहिअधनं॥ मंनु॥ कंसंविहि डिं वं आं कं खं कं स्त्रहा॥ वृदि
उमधन॥ ॥ अं अर्कायस्त्रहा॥ अर्कसि॥ अं वज्र सा मा यस्त्रहा॥ यत्ता गसि॥ अं
वज्र म ना यस्त्रहा॥ त्वदि न ही॥ अं वज्र क द्वा स्त्रहा॥ अणमा गसि॥ अं वज्र क व ना
यस्त्रहा॥ व ठ स्त्रहा॥ अं वज्र इ म ना यस्त्रहा॥ इ व न सि॥ अं वज्र म नि म ना यस्त्रहा॥
स मि कं थ सि॥ अं वज्र वा धि व क्ता यस्त्रहा॥ अस्त्रहा॥ अं वज्र न ना यस्त्रहा॥ प्र
रु सि॥ अं वज्र वि जा यस्त्रहा॥ व्र म न नी॥ अं म धू न स्त्रहा॥ म धू नं॥ अं अर्ल म का य
स्त्रहा॥ अर्ग्व क॥ अं सर्व पा य प्र स म ना यस्त्रहा॥ वे क क सि॥ अं वज्र म रु का ना य

स्वाहा॥ आसुस्वा॥ अंसर्वक्रमप्रसमनाय स्वाहा॥ गं ह्यत्रि॥ अंवजकदम्याय
स्वाहा॥ कदवत्या॥ अंसर्वनाहद्राय स्वाहा॥ ॥ अंवजहिनानकाय स्वाहा॥ हि
लाया॥ अंवजमदनाय स्वाहा॥ मदमकलुका॥ इतिभस्मादसुगमिध॥ ॥
अंभपनिह नवजाय स्वाहा॥ क्रम॥ अंवजयूष स्वाहा॥ इषीकृन्तु॥ अंसर्व
पापदहनवजाय स्वाहा॥ अंसर्वपापः दहर स्वाहा॥ नील॥ अंवजपूषय स्वा
हा॥ अस्वन्तु नन्तुलस्य॥ अंवजवेगमय स्वाहा॥ नक्षी॥ अंवजघस्मनाय स्वाहा
॥ अमधूना॥ अंवजदिजाय स्वाहा॥ म्यानउमा॥ अंवजमहावन स्वाहा॥ मास॥

जं वज्रमगनाय स्वाहा ॥ मगना ॥ जं वज्रका नाय स्वाहा ॥ मगना ॥ जं वज्रका मा स पि
नु स्वाहा ॥ कोला ॥ जं भ्राद्रं क नम नाय स्वाहा ॥ कय म ॥ जं वज्र ना जा स्वाहा ॥ ना
या ॥ जं सर्व च सिधिय स्वाहा ॥ त्रका ॥ जं सर्व क सुप्र स म नाय स्वाहा ॥ पुका ॥ जं
सर्व सि प्र द स्वाहा ॥ दधि म ॥ जं वज्र प्रिय न माय स्वाहा ॥ प्रीय म ॥ जं भ्रा ४ वज
द र्शन द नाय स्वाहा ॥ कोल द न ॥ जं भ्रा म धू न ति म्ब नाय स्वाहा ॥ वय न ॥ जं द्रं
जं जं भ्रा ४ लां मां पां जं सर्व वि हि जिं स्वाहा ॥ व्री हि त्म धन ॥ ॥ क्रो वि हि इ य
॥ प्र च मा द्र नि या य ॥ ॥ न नो जा न्य त्म न न लि नः वा म क न न्म द्य न प र्क पा

तामोदायः दक्षिणं कननं कननं लक्ष्मणस्य श्रुत्वा मादाय समित्य प्रदक्षिणः का
नयित्वा। आत्मानमिष्टदत्तात् रूपमूहकनः वक्ष्यति विदुः नमस्कृत्य जथा मूहवमक
त्रिपुष्टसफः कविशल्या दूनिदद्यात् ॥ जनधना ॥ ॥ अं भृगुमृश्वमृश्रिया
दो सर्वगमजं जगद्वह्नाद्वह्नुं प्रवतसे कानायकं हृदयहा ॥ ॥ आदूनि ॥ खलि
वाकादि ॥ ॥ अं भृगुयदिव्यदीयाविषाविषमहाशयः हयकथवाहनायः
जजमानस्य पृष्ठे कूटं हृदयं ॥ मनु ॥ पंः लोः घंः मनु ॥ ॥ न नो ह्यनादूनिः
॥ चतुर्धा धनं ॥ हामाग्निर्वैव विधिना चतुर्कप्रसाधः क्रिलाकस्वन्मधुहानि नय

कृष्णाति॥ यं कृष्णं न प्रणिमया यस्तु सिद्धिं सर्वं हमादि पात्रं निहिर्गं प्रणिपादनि
यं॥ ॥ अं वूं अं जिं खं दूं ॥ दिव्या नमन प्रीन न साहा ॥ इति च त्रु साधना ॥
न नो वु मे ना व म ना दि क कृत्वा लोका न न ह्य ना ग्री वि हा व्य ॥ का ना का ना र्त्त य हा
य हृदि क म त व द्रा सु ना प त्रि मं नु ना धि प ति वि ज नि य च वि द्र विः ज प त्रि ना
म नः मं नु ना धि प तिः सु मा नु न र्या वि हा व्यः ह्य न स त्व त्व व जा कृष्ण दि हि ना कृष्ण
प्र य सः य हा सु ना य क्री त नि त्र मि व स म य स त्व स हे दि कृत्वा अ हि र्षि व यो कृ
म ना धं पा धा व म ना दि कं ॥ पू जा न्नि कृत्वा शं क्श या न ॥ ॥ मा म कि पू जा ॥ दं

मन्त्रयाश्च नः शः पाः प्राः भूः भवः पूषा न्या ग्या पः लां घं मृ न॥ दज नाम धं त्रु का
न न मृ क व ज य ह न प्र मा न वि हा वा ॥ अं क्रीं आ च मन पु नि रु स्वा हा ॥ पूर्व व स्य नि
वा स्वा न म नु न रु द्र या न् ॥ दज ना कृ निः ऊ धर्माः भू का नः द क्र ना कि ॥ धन सु
ह मा कृ नि या यः व नि वि यः पं लां घं मृ नि ॥ रा कृ पू जाः न नु न चि न ॥ लो हा मि
न क्र ॥ ॥ धन पू र्ण कृ प कः सि नि का इ य श ज ज मा न चि य क पू र्ण कृ नि या
य ॥ ॥ अं ग ग न ग ग न वि त्रा कि न न जी ना जा य भू कृ ह ग्म नि पू लि
कृ न् अं स्वा हा ॥ वि व ह न ना त्रि क ल ॥ अं सु मा धि रु न भू स्वा हा ॥ म म सु ॥ अं भू

२५३

ॐ ह्रीं म मा व नि न क त व ल हं स्या हा ॥ श्री वंदुः ग्व त वं ॥ अं आ ४ व ज वा स स हं स्या
हा ॥ ज जी का ॥ अं ल प य क न नि य व वि क न स्या हा ॥ उ हा न सी ॥ अ व ज प य स्या
हा ॥ हा हा सी ॥ अं ध र्म ध र्म ना ज द ह र स र्वा वि घु पु म नि क न स्या हा ॥ व नु म ति
क प ना ॥ अं आ ४ व ज ध य नी स्या हा ॥ ध य ॥ अं आ व ज व नी कि नं द्री स्या हा ॥ दी प ॥
अं आ ४ व ज ल ध म ना य स्या हा ॥ उः हः स कि ॥ अं व ज ना म्म ना य स्या हा ॥ ग्मः ग्व व
अं व ज पृ ष्ठी का य स्या हा ॥ प र्म य क अ न ॥ अं आ ४ हं स्या हा ॥ स र्व य द्वा प क न न ॥ अं
व ज व स क ना य स्या हा ॥ क स म ॥ अ व ज न ला न का ना य स्या हा ॥ अ न प य ॥ अं व ज वि

जयं कं ह्रा ॥ सुम क ॥ अं सर्व कर्म क त्रिय कं ह्रा ॥ नाग क ग ॥ अं वज्र म दय क
ह्रा ॥ पद्म क ग ॥ अं हन र कं हृ ह्रा ॥ सुकू न ह ॥ अं कू र सर्व कार्य सि सि म ह्रा
ह्रा ॥ कू कू म ॥ अं म द र सर्व उ व्या न य ह्रा ॥ क प न ॥ अं व ग ॥ ह वा य कं हृ ह्रा ॥ न
क व न ॥ ज य र कं हृ ह्रा ॥ आ र्ष ॥ अं ह न न्य पु द ह्रा ॥ नी न नै न ॥ अं स
र्व न ल पु द कं हृ ह्रा ॥ गंध नै न ॥ अं सर्व या ग सा ध न ॥ अं प रि कू न कं हृ ह्रा ॥
॥ ३ ॥ अं स म सर्व श न य ह्रा ॥ भं ग नू ॥ अं क नि ध नि सर्व सि धि कू न ॥ अं ह्रा
ह्रा ॥ न क नि न ॥ अं त्रि ह ना य ह्रा ॥ नि ह ला ॥ अं नि क ह् का य ह्रा ॥ त्रि क ठ ॥

अं सर्वनामप्रसन्ननायका ॥ अषट्छि ॥ अं वज्रदहनहनायका ॥ की नरुन ॥
अं वज्रनयका ॥ वयसि ॥ अं सर्वनाहनायका ॥ नूवली ॥ अं संप्रसन्ननायका ॥
प्रनागहन ॥ अं वज्रप्रियतमायका ॥ प्रीयम् ॥ अं भद्रं ॥ मूलादि ॥ अं
सर्वप्रसन्ननायका ॥ ८ ॥ यः लाः धः तु न ॥ ॥ यनपुष्पाया
वा ॥ अं भद्रयदीप्यादिव्या ॥ पुष्पाङ्गनिगृह्यरूपयरुं ॥ यं
यथातप्राप्नुति ॥ ॥ ननादमृतिविविध ॥ मृत्पुष्पाः दक्रना ॥ स्त्रीनन
नः क्रमापुन ॥ अं महिषकः स्रमन ॥ सुमय ॥ ॥ पुनश्चिदज्ञानाल

वयं ॥ ॥ अं भ्रा ॥ ह व तु क ह व प त्रि मि ना व षु ज र ई ह ह् स्या हा ॥ ३ ॥ सखा
द्रु नि या या ॥ य व ग मा न्या दि ॥ ॥ अं भ्रा ह व तु क दान प न य था हि लं षि नः
प्र न य र ष्म स्या द्वा ई नि पु नि क्क ई ह ह् स्या हा ॥ ३ ॥ पः लाः घः म्भ नि ॥ सु ना क्र न वि
म्भ जन ॥ कृ सु म न्भु लः कृ सु कः सि कृ म्भ द्वा या ॥ इ नि हा म क्रि या वि धि सु मा फा ॥
॥ ॥ ॥ अं न भा ग्री च उ म हा रा व ना या ॥ ॥ अं स व ल्हा स र्व ध र्मा ना
स हा व ल्हा द्वा ॥ गृ न्य ना र्त्त न व ज स हा म को द्वा ॥ अं म ढि नि गृ न्य ना न नः वि ग्म
हा कु द न ग नाः क नि का क ग ना कृ लः ई का न वि ज सृ जा नः भ्र क्ता ल कृ न ना थ य

नित्रवैर्लुगमहिर्नःत्रकवकुप्रिननचःककरीहिसहिषनःडकानिविन्निगाव
गःनत्तमकनमोत्रिचःखर्गपासुधननाथःचडुमात्रविवधनःछाषवजीसमाति
मःवकधन्नादधनिर्कःसुर्वपापहननाथःथाःॐआपत्रिपत्रिनःनसुत्तसुहानसु
त्ववःहृदिअकननाचीनःसमयसुत्वविलयःश्रीवन्दुमहागोषनायःआत्मानंवि
सृष्टायंन॥ ॥ ॐआ॥ ४३॥ वन्दुमहागोषनहगताःकाप्रहसकृतायपाश्राष्ट्र
वमनप्रोक्रमनप्रतिरुखाहा॥ ॥ ॐवज्राक्रमज॥ ॐवज्रपानज्री॥ ॐवज्रसु
हव॥ ॐवज्रावगहा॥ ॥ ॐवन्दुमहागोषनाय॥ ॐहृद्॥ ॐहृद्भाव

नमो ह्येह ॥ अं ह्य व वजि क ह ह ॥ मध्या ॥ अं ह्य ना व न व ज प य प्र नि क ह ह ॥
॥ य ॥ अं पि ना व न व ज ॥ द ॥ अं न क्का व न व ज ॥ य ॥ अं ग्ग मा व न व ज ॥ उ ॥
अं मा व जि व ज ॥ अ ॥ अं पि नु न व जि व ज ॥ ने ॥ अं ना ग व जि व ज ॥ वा ॥
अं ह्य व जि व ज ॥ अं ॥ अं द्रा दि ना क पा न वी य ॥ पः अं लाः घीः मृ नि ॥ ॥
वि ग्ग मा शी ज दि न स मी नु ल ग नि क्क का न वि ज्ञा ह वंः डं ह्य हि ४ व न पि ति नाः घ न
म नं धा नाः ह ह सत्य नं ॥ उ ह्य मा सि वि ना जि नः द क्रि न क न पा नः क स य क रंः
व नु ग्ग मा व न वं ड म हा ना व नः म हा क्का ध म् अ ह स दा ॥ ॥ न वी न ॥ अं क्रां डी

ॐ वन्द्य नृपः स्वर्गप्रवर्धक हरप्रसू नृप्रसू नयनरुह नरग्रसर्ववन्द्य रजःश्रुय र
रुःश्रुय रमा हर हर सर्वसुपु नीमूषवर्धः नेक नृप्रसू सर्वजाकि निनीः ग्रह तन प्र न पि
सा र व्याधि यक्र नाः जा मय रम नर मा नय र नृ नृ कः वन्द्य नृ क नृ रमा वन्द्य महा ना
वन मया प्रयतिः ॐ वन्द्य महा ना वन नृ ररुह स्था हा ॥ ॥ धन जाय ॥ ॥ वनि
हः पांः पंः पंः नांः घंः ॐ ॥ धन कट्ट पद पोः रुति न विदति नः मर्दि नृ नृ नृ पानिः लक्ष्म
प्र मा नृ रवन्द्यः रुति नृ नृ नृ नाः नायध ना विन नः लक्ष्म पा ना नृ नृ नृ ग्रह गन स
ना पा नृ दि ग्पा नृ ना मः ॐ लो क्क जा नृ मूकिः जय नृ विज नृ नृ वन्द्य ना वान नृ

ग्रा॥ ॥ वलिमा ना॥ अंनमा हगव नः ग्राव नुम हा ना ष नायः द वा सु न म नू क
काः जा ह न क नायः स क न वि ना स नः क नायः भू न हि कू स म व पू षः न त्व म कू ढ
हि न स्यः वृं ड व नि ग्ग ड र म म सृ ष्व वि द्या नः ह ग र व तु मा नान नि वा न य र जा स
य र किं ड र हिं ड र ना ग य र ना प य सृ म व य र कू ड र हं ड र इ ष सृ सृ त्वा नः म म
वि दू ष क रि का न ह लि कू नू कू कू हं ड र ह्वा हा॥ ॥ पः लाः धः भू न॥ ॥ कू
कू व नू म हा वि नः ख मे पा म न डू निः सृ ष्व इ षु नि कू नै वः भू व न वि नै न मा मि
कू ॥ कू क ना कू म हा धा नः न त्व मो नि वि ह वि नै वः ख मे पा म ध नं वि नै न मा मि री

[illegible]

पत्रमलाङ्गनः श्रीकात्रमासकि कृष्णदि त्रिजावज हस्तार्द्रकात्रनाक्षत्रकृष्णदि
त्रिजाः वज्ररहस्यन न सं प्र न थारा न म हाना न म हाना ग ल ड विह नः प ह म
॥ प न ४ रु ह्रीं श्रीं अ रं ह्रीं ॥ अ सर्व ह कृष्णमिनिः सर्व ह कृष्णमिनि ॥ अ व
त्रिनि आर्द्र मृतिः सर्व ड य बा पिनि अ ध य र ॥ अं ह का न न ह न न व श्रीं ह ॥
कात्र गंधना सुनः द्विं कात्र न वि अ ह न चः अ कात्र न म न नू प प म न ॥ अं अ म
न अ मि न प्र व स य रं ॥ ॥ न द नू ह ग अ नि म न न क न म ध य न ॥ अ ग न्या
सु ॥ अं वं ना हिः हा याः ह द यः आं भाः व कृः ह ह्रीः श्री न गा रं रं मिषा यां ह हूर

सुखीति॥ ॥ ह ग व नि मं कु न प्रा क्र म न ॥ ॥ अं कं स्था हा ॥ व ज ॥ अं हा स्था हा ॥ वं न
॥ न्या दि ॥ अं भा कं अं वा धि ष्ठा न ॥ ह र मं कु न प र्वा धि ष्ठा न ॥ अं भा कं हं ह ॥ व
त्था धि ष्ठा न ॥ अं भा कं मं कु ना धि ष्ठा न ॥ अं स्था न मं न कृ दं ॥ अं या ग मं न कृ दं ॥ अं
भा स्था न न कृ दं ॥ ॥ अं स्था न व ल्का सु र्व धि ष्ठा न्या दि ॥ ॥ नं नि मं कु म् च ये ॥
प्र ल ह्वा म् नाः प्र नि धन वि रु न त्र व स्था दा सः नि र्म ला र्क ग ग न द ह्वा नि हा
न व द्वाः ति द न क म न म यः पी न सु वा ह द या प त्रिः वा म द क्रि न्म व ल्का त्रिः का रि
य कोः उ र्ध्वा गी त ल्का न प त्रि वि नाः दि नं न मं कु ल म धा वं का त्रः न क प त्रि ना

मनःहमवनिवजवाताहिःसंश्चासिधुनवन्मःमंमनादिनक्रावसलवाःम
लवकीदक्रिनकातास्याःहिवनाईमृतिवःवामपाएवेष्टनखद्वागमःवामक
नहिःनःनकापूरुकावात्रवताःदक्रिनपुमिनाईःनिलवजकनिधनःधादस
वर्षहमीगीःनिर्वसुनासिनासिनिनदमृतिमालावस्तिनःमृकननिनक
कनसिनाकहाःपुनिमृयननगुयःमृवद्रुधिताननाःसुनसनःनमिनामृ
निलनालकगीःमृमनाविनविलसःमीडःहासलयानकाःकननालनगमंनि
नानमृनानिगीःचक्रिकृन्नुनकनिद्रवक्रमवलाःसुजादिहिषनमृडा

मृदिनीः सुफाककि न नाहः नहि प्रलम्बता सनाः अर्द्धपर्यङ्क नि ह्युस्मिनीः
हगवनिहावयन् ॥ ॥ ॐ निम्नीनवक्रस्मिन् वकातः नमिमालाहिलाक
ष अक निष्ठः हवेनः वर्हि निः स्नानददिमाकृष्यः समयदवहकलवयन् ॥ ॥ इ
३ ॥ ॥ ॐ अं ४ जी वं ज वा ना हिः पु व न स का म य पा या घं च म न प्री कृ न पु नि कृ
त्वा हा ॥ ॥ अं जं ४ कूं वं ४ हा ॥ ॥ प्रथम्या ॥ ॐ सर्वं वृद्धं जाकि नियवजप
ष अं ४ कूं वं ४ हा ॥ ॐ वं ज व र्क नि य व ज पृ ष्ठं अं ४ कूं वं ४ हा ॥ ॐ वं ज वे ना व
नियवजपृ ष्ठं अं ४ कूं वं ४ हा ॥ मध्य ॥ ॐ उदिया न व ज पृ ष्ठं अं ४ कूं वं ४ हा ॥

॥ प ॥ अं पून गितिय वज्र पूष्य आ ४ कं हं हं हं हं हं ॥ ३ ॥ अं काम नृपिय वज्र पू
ष्य आ ४ कं हं हं हं हं हं ॥ ४ ॥ अं ग्राह नाय वज्र पूष्य आ ४ कं हं हं हं हं हं ॥ ५ ॥ अं धर्म
काय वज्र पूष्य आ ४ कं हं हं हं हं हं ॥ ६ ॥ अं संस्कार काय वज्र पूष्य आ ४ कं हं हं हं हं हं ॥
७ ॥ अं निर्मा न काय वज्र पूष्य आ ४ कं हं हं हं हं हं ॥ ८ ॥ अं महा स्रव कोय वज्र
पूष्य आ ४ कं हं हं हं हं हं ॥ ९ ॥ अं शान्ता वर्तुय वज्र पूष्य आ ४ कं हं हं हं हं हं ॥ १० ॥
दिक्क मा व हं न ॥ पं: लां: धं: म् न ॥ अं नत्वा ग्रा वज्र वा ताहि सं नु मू कि जि न म्
त्रि: अं नत्वा व न दा हि मा: ति धि हि दि अ न पु दा: त्र वं का नं स मा मि लं ग ह ज

उत्तुपिनिःप्रह्लादा नदहायः नमस्तु नैवजजा। त्रिनि॥ ॥ नृपनि॥ अं
नमस्तु नैवजवा नाहियकंकंरुह॥ अं नमस्तु अर्य अर्य नाजि नैवलोका
न नैवकंकंरुह॥ अं नमस्तु सर्वत न हया वरुमाहा वजकंकंरुह॥ अं नमस्तु वजासु न
अजि नैव अर्य नाजि नैव अर्य कति नैव अर्य मनि कंकंरुह॥ अं नमस्तु व निरुध
निकाधुनिक नात्र नि कंकंरुह॥ अं नमस्तु अर्य निमात्र निरुध दनिपत्राजय
कंकंरुह॥ अं नमस्तु अर्य अर्य अर्य निरुध निमात्र निरुध कंकंरुह॥ अं नमस्तु वजि निव
जवा नाहिवज^{नैव} अं त्रिनि का मर्य निरुध कंकंरुह॥ अं अर्य अर्य कंकंरुह॥ अं अर्य अर्य

कूंरूंरूं॥ जूंउऊ कूंरूंरूं॥ जूंअअ कूंरूंरूं॥ जूं२२ कूंरूंरूं॥ जूंउउ कूंरूंरूं॥
॥ ठूंठा ठूंरूंरूं॥ जूंअअ कूंरूंरूं॥ ॥ नन४को नमः सक्तकः खलिक
वामावतुनतमिकभक्तद्रवधायान॥ तदनूदविकमलादनः नाहिसध्वानन
धम्मदयाः मध्ववकानानक॥ जूं३सर्वप्रदं ठीकनियवजवधनियवजवनाव
निरनियः कूं३रूं३३ एहा॥ इनिमंनुनमदनहंकलदिगसुष्यामिलिनपकी
नयस्याः धकावविनहनः नवक्रंवाभनातिवगतः मानानिग्धः आपमवग्यनू॥
यनदविवरुआतिरूपः निग्धनंउदिपवगुका कलमानमाहसुषवक्र॥ डवित्व

वनमदमि न धनयाः न सुनायि नैव ह्य नृणां निवृत्तलिकर्म ॥ ॥ यश्च न नि
र्मावः प्राद्वकालनूपिनिः ॐ नृ विन्दु लिङ्गाना दाः दवि नृपा मृना नर्तः तु सुआ न
क न कीः ॐ ग न कामधर्म सुं गला ग व क्रम हिय माहासुष माय दः न या का न म क्र
म हासुष मयः सु लि क प्र य ह्यः म हासुष व क्र ग लाः व ति वि ला सु न द्धि उ च
न क्र म व रः म द म न क ना स्मानः सु ना पय नि स ह न म वाः वि रि तु प द वि म
म न ॥ ज्ञाः पाः प्रः पः लाः धः उ न ॥ का न म य य नः ला मा नृ ला क ल दि नृ प ह् ला धि क दि
षः सु ल ला जन यु ग प्र दा हि आ नृ ला च म ह्या मिः ज ग द म्य ह नृ की ॥ ना हि व क्र क ह न

ननासिमोवज्जवाताहिययाजसुसुवासाधसाधसाननसुपाननमपदत्तानमसहा
मिवदवानत्तीवी॥नपेन॥ ॥ननःसर्वकारनत्रिदिनित्तिनाग्नःपकसु
चिकवज्जपेनःआकात्रजंरुमकाःनाधिल्लिनविलयःनथामायमध्वनाक्र
त्रमजःनथैवदविक्रपाक्षानसत्वेहतांविचित्र्या॥इतित्रिकर्मशाग॥यनजाप
शाग॥अक्रुकात्रुनक्रुसहियःमक्रुविहात्रुमलयमःसंषत्रिकृतिजविजइतिहा
त्रुंजापदरमहाक्षानःसर्वद्वयमदृष्टयन्॥जंइंइंहाइअखंखाहा॥आपाःपूःवःलाः
धःमृन्॥ ॥वतिललावना॥यकात्रनकायमन्त्रःपत्रिकागाजात्राअग्निमन्त्र

लं आज नि नः मन्त्रं न यद्वृत्ति का पर्म लजन वि चि त्वा ॥ न न ह का दि प त्रि त्रि नः न
लो प त्रि क्कं आं जि र्वं कः लो मां पां नां नं ॥ का न ज यं च म न यं च यदि प न्न य न नि ष्या द
उ र्व न मन्त्रं ल व न प्र त्रि नः जा त्रि ना मिः ना प वि त्रि नः ना मा क्र ना दि कः अ हि न व न्त्रं
ला न व न्त्रं उ व न्त्रं पं दृ ष्या ॥ न इ प त्रि क्कं का ना नि नः वि न लि मा ना क त्रि ना ल्म म्भ र्वाः
म न म य म्भ क र्वा द्वा गं न द्वा य वि त्रि नः पा ना न स मि म्भ य न्त्री म्भ य न्त्री नि त्त न वि
वि न्त्रा ॥ न इ प त्रि उं म्भ क्कं म्भ क्कं नः उ य द्वाः न ड मि ना क्क क्क द स दि ग व र्क व
हि न्त्रा वि त्रि वि त्रि वि त्रिः म्भ ना म्भ न मा नि य ॥ न त्रै वा क्क न ष्पु वि ष्टं चि न य न् ॥ अं

आइवयाविचन॥आपाःपूःपःलाःघःशुन॥ ॥ननाशत्रिकालियत्रिगन
चन्द्रसूर्यकनक्षयाःनर्मनंकरंकारंरुखा॥अंअन्यान्यानूगनासर्वधर्मःसर्वध
र्मःयत्रयनानूगनाःसर्वधर्मःअतएतानूगनासर्वधर्ममादव्यप्रमानसमय
प्रमानःनद्रकवाचंयत्रप्रमानं॥अननसुननहवयुननी॥दद्याममानुग
हनुतना॥अंएवमकुजिज्ञानादःअवजाननिंजःइवंधावजजकिच्यः
समयसुहृदुगहा॥ ॥अंखखःखादिःसर्वजकनाकसःहनुप्रनयीम
याःमादानअपस्मानःअकजकिदादयःइन्द्रवनिगुइउसमयनक्रुःस

मयसिद्धिप्रयत्नः सर्ववपर्थः तज्जथपिअथः जिघृथः मात्रिकमर्थः नम
सर्वस्त्वानावः सर्वाकागत्याः समुपवृद्धयः महायकारवन्तु कंकं हूरसाहा
पः प्रः लोः धः मः न॥ सनाक्रता॥ ॥ नृतिवज्जवाग्राहि मृगारण्या न सुमाफ ॥ ॥
अंनमग्रावक्रसंमनाय॥ आहूतकमहावित्तः विशुद्धकृतिस्तु यत्तः नमामिमा
नृजनातः अकिनिजागनायक॥ १॥ वन्दुनावजवा। ग्राहिः माहानागनूनागि
निः अकिनि कुतथागामाः स्वन्तुनाहवन्पिनि॥ २॥ पुलितमत्रयमृद्धिः यु
वन्नावजअकिनि॥ आलंघनसिषादणः वन्दाविनवकिलिषी॥ ३॥ उदि

यानमायासुखं तदविप्रलम्बमिति । अथ दृष्टं वक्ष्ये ननु मन्त्राणां सा नमाम्यहं
॥ ५ ॥ एतन्नामोत्रिपुत्रवायः कर्तुं विप्रमनिष्ठः । नामगन्तुं वाममन्त्रं खर्वनि
व नवदनि ॥ ३ ॥ दविवाहं नानु श्रीमन्तं कर्तुं विप्रलम्बः । मात्रव्यक्तं ० दस्युद
मन्त्रायानमामिहं ॥ ६ ॥ कामन्त्रये दयकः । दविनेनामनिष्ठः । जडं नदय
नापिः श्रीमन्तं नविप्रलम्बं ॥ ७ ॥ तिस्रकन्नादयनाहोः वायुवगममनामन्त्रमाकास
तनानिकाशिवः । नानाक्रीनमामिहं ॥ ८ ॥ कर्तुं एव दनेन मन्त्रः । एतन्नामदविप्रलम्बं
। तेषां कर्तुं नदय । पुस्तकं दायनहं दनि ॥ ९ ॥ हृदयकास्त्रिनिवेवः हृदयकन्त्रमना

तमीः हमा नय पू नमन्दः नमस्या निख गम ननी ॥ १० ॥ धनपूर्य नथा निलः का विर्यी
मभानिख नि ॥ ११ ॥ हृदवना गुउ ह्मा नः खंनु लाहा मना तमी ॥ ११ ॥ सो नाकु उ नसू
गनः हो निनी सुषदायनि ॥ १२ ॥ वरु दि पजं घा यीः सलि नावक्र वलिनी ॥ १२ ॥ न
षतवी गुनिलु गः सुवि ना वनया गि नि ॥ १३ ॥ वपादया वृष्टः षि नाद विमहा वना
॥ १३ ॥ मनो ची गुव यूग नः स लि ना व वस नि ॥ १४ ॥ नूदया उद विमा विर्यी न
मा म्य ह्मा ॥ १४ ॥ खनु कया लादया विना सु पुला गुव वि ग्रही नम ह का म हा वी ना
मायवा की हुव क्रम न ॥ १५ ॥ का का तु नु म न का स्याः म्मा ना स्या गुक नान नी ॥ १५ ॥

अनीः यम इति यम इति यम मय नी ॥ १६ ॥ त्र नाद विन म स्या मिः दि ग्वि दि स्त
न ह द न । वी त वी न म्म त्रि ना यः ह नू क य न म्म म्म त्रि ॥ १७ ॥ ह ह जानु म क द वं वि
मृ ध ना नु वा । अ कि नि जा न म धि स्ताः प्र था नू ह्य न्म म व र्त् ॥ १८ ॥ उ म्म स द व
नि व क्रः ज त्म या पा जि न म्म हं न न प न न न त्रा क म्मः व ज ज के क स ज ग न ॥ १९ ॥
न नि म्म ह नू क व तु र्वि म्म नि स्ता र्त् हं प न्म मि नि ॥ ॥ ॥ ॥ अं न म्म म्म व
ज वा त्रा हि ॥ न म्म म्म व ज वा त्रा हिः दि र्व रू पी म्म रू पी निः का नि म्म कि द या द वि न
म ह्म व ज्जु जा मि ॥ १ ॥ व धू क प्म स डि म्मः सी नू रू पि जि न स्ता त्रिः म्म धि सि डि उ
वा ना वः न म्म म्म व ज्जु जा मि ॥ २ ॥ द्वा द म्म व र्व स व र्वः न ज नि न्म म्म रू पि निः उ न्नी

कथायिनिदविनमास्तु न॥ ३॥ दानिडवकाकभचःसंसा नैरुजवासिनिःत्रिन
उविग्यवर्कवनमस्तु न॥ ४॥ देवहृत्कसुनृपःनिग्यवजिनम्यत्रिःकनिक
पालकं नाथं नमस्तु॥ ५॥ खेत्वांगया मस्तुकासुः ननरु निविग्यमानाःतुकि
मूक्तिप्रदानयानमस्तु न॥ ६॥ मुकुमालाघनादविःपंचमूडावित्तविनाःहा
जहननहविर्तनापूत्रानमस्तु॥ ७॥ वामहजकपात्रसुःदक्रिनेहकहिकाःकात्रम
विधनादविःनमस्तु॥ ८॥ उकवकासमात्रुधःदित्तजातुर्थमंदलःपादांगुष्ठहि
नादविनमस्तु॥ ९॥ सुर्थमनुलमथस्तुःकिनिठामूकाशात्रकःउलाकमानि
दविनमस्तु॥ १०॥ सर्वपापहनादविःसर्वपापविनास्तुनिःधनमाक्रेप्रदानथा

नमस्तु ॥ १॥ सर्वमकुपुमदनिःपुन्यक्रुददिनानिर्गः ॥ असापूतप्रमादकः न
मास्तु वज्रजागिनि ॥ १२ ॥ ॥ ॥ संसृष्टं ह ॥ तस्मिन् योषमास्यः कश्चिप
कः वस्तुमिषीति ॥ हस्तानक ननः ॥ मुद्रमानजायजथकर्मसूद्रनकः शामवान
हनः मद्रनासिगमसुविननः केन्यानासिगनचद्रमसि ॥ ॥ थक्रद्रुसंपूर्णायः
धूनमुद्रिनक्रन ॥ ॥ निषिनयनदससः कावाहानानः ध्वंवाहानयावजी
वार्यग्रीहनवमूर्तिः वायाक्रनः ॥ ॥